अभियान का पंचायत प्रधान पर प्रभाव

मेघ पाईन अभियान कोशी सेवा सदन महिषी का एक कार्यक्षेत्र महिषी दक्षिणी पंचायत भी है। इस पंचायत का मूख्यालय महिषी दक्षिणी हैं। महपूरा तटबंध निर्माण से पूर्व तटबंध के अंदर वर्तमान कारू बाबा स्थान से यह पश्चिम उत्तर की ओर स्थित थे। लेकिन तटबंध निर्माण के बाद इन्हें बगल में ही पूर्णवास मिला जहां वर्तमान में गांव स्थित हैं। महपूरा में राजपूत, यादव, नई, राम, सादा, डोम, जाति के लोग रहते हो। सभी जातियों में आपस में अच्छा रिस्ता है।

इसी पंचायत में अब प्रखंड कार्यालय तथा थाना कार्यालय स्थित है। यहाँ 2 मध्य विद्यालय तथा एक कस्तुरबा आवासीय विद्यालय है। पहले हां के लोग पहले कुंआ का पानी पीते थे। अभी लोग चापाकल का पानी पीते है अधिकतर चापाकल में आयरन मानक मात्रा से अधिक तथा आर्सेनिक गांव के पश्चिम सटा कोशी नदी पर बनी पूर्वी बांध है। तथा पूरब दिशा में मनुआ घार बहती है इसलिए यहां जलजमाव की समस्या बनी रहती है तथा पेयजल श्रोत में जीवाणु भी है। तटबंध से पश्चिम की जमीन में रबी की अच्छी खेती होती है। तथा बाहर में गरमा एवं खरीफ की खेती लोग करते है। राजपूत के पास अत्यधिक जमीन है तथा यादव के पास भी है।

महपूरा का पशुपालन शुरू से ही विकसित रहा है। यहां के लोग पशुपालन करते है। अभी में इस इलाके के दूध का यहां भंडार है। पशुपालकों का देवता कारू बाबा का जन्म स्थली है जिनके नाम और भष्म के लगाने से बीमारपशु स्वस्थ हो जाते है। यहां नेपाल तथा भारत के अन्य राज्यों से पशुपालक दूध चढ़ाने के लिए आते हैं। रास्ते में अगर 2–3 दिन भी आने में लग जाता तो दूध खराब नहीं होता है। कारूबाबा नाम से गांजा, सुपाड़ी प्रसाद अपने बथान (मवेशी के रहनेवाले जगह) पर अवश्य ही चठाते है।

कारू स्थान में प्रतिदिन पशुपालकों द्वारा लाए जानेवाला दूध से खीड़ बनता है तथा वहां जो बाहर के लोग पशुपालक जाते है उनको बैठाकर थाली में प्रसाद खाने के लिए दिया जाता है। प्रतिदिन–औसतन 500 आदमी प्रसाद खाते हैं। प्रतिदिन कई क्विंटन यहां दूध चढ़ता है।

महिषी दक्षिणी पंचायत के मुखिया श्री इन्द्रदेव प्रसाद सिंह है जो पिछले 35 वर्ष से इस पंचायत के मुखिया है। वे अनुभवी, निष्ठावान एवं सामाजिक चिंतन में हमेशा लगे रहते हैं। मेघ पाईन अभियान के कार्यकर्ता इनसे बराबर मिलते रहते हैं तथा शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छता के बारे में बताते हैं। कार्यकर्त्ता के द्वारा उनके पेय जल श्रोत के आयरन की जांच अमरूद के पत्ते से करके मुखिया जी को दिखाया गया। मुखिया जी के चापाकल का रासायनिक जांच भी किया गया। परिणाम तथा उसके प्रभाव के बारे में उनको बताया यह कार्यक्रम उनके उपर जादू का काम किया।

2007 में मेघ पाईन अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक श्री एकलव्य प्रसाद की भेंट कोशी पूर्वी तटबंध पर मुखिया जी से हुई। उनको शुद्ध पेयजल पंचायत में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नरेगा योजना द्वारा कुंआ जीर्णोद्धार एवं निर्माण कार्य करवाने के लिए कहा गया उन्होंने इसे गंभीरता से लिया। साथ ही उनसे पूर्वी तटबंध के किनारे जलजमाव ग्रस्त जमीन से जलनिकासी कार्य हेतु तटबंध के किनारे स्थित पंचायत प्रधान की बैठक आयोजित कर जल पुल निकासी सम्बंधी प्रस्ताव पारित करने एवं उसे अमल में लाने की दिशा में भी प्रयास करने के लिए कहे। मुखिया जी ने कहा मैं इस दिशा में प्रयास करूंगा क्योंकि यह जनहित का काम है इस इलाके की बदहाली का इस काम से मुक्ति मिलेगी।

इधर मेघ पाईन अभियान की ओर से कार्यक्षेत्र के पांचो पंचायत के जीवित कुऑ की सूची बनाकर वीस सूत्री उपाध्यक्ष, उपप्रमुख एवं उपाध्यक्ष 20 सूत्री कार्यान्वयन समिति महिषी प्रखंड से अनुशंसा करवाकर प्रखंड विकास पदाधिकारी महिषी को जीवित कुंआ जीर्णोद्धार करवाने सम्बंधी आवेदन दिया गया।

धीरे–धीरे मुखियाजी के उपर ग्रामीण तथा मेघ पाईन अभियान का दबाव कुंआ जीर्णोद्धार के लेकर बढा। आखिर मुखिया जी ने कुंआ का जीर्णोद्धार कार्य आरंभ किया। अभी महिषी दक्षिणी पंचायत में मुखिया जी के द्वारा 4 कुंए का जीर्णोद्धार कार्य हो चुका है। धीरे–धीरे अन्य कुएं का जीर्णोद्धार कार्य भी कराने की योजना पंचायत प्रधान की है।